

Raath Shiksha Vikas Samiti (Regd.)

Raath Mahavidyalaya Paithani

PO- Paithani, Patti- Kandarsuyn, District- Pauri Garhwal 246123

Affiliated to HNBGU (Central University) Srinagar Garhwal

Email – rmvpaithani@gmail.com

Letter No.

Date

National Seminar

Date- 11 November 2019

Topic - Bharatiy sanskriti mai Paryavaran Chetana

Organizer- Department of History Raath Mahavidyalaya Paithani

Sponsored- Research federation of india, Jawalpur MP and the Academic council of education for research and development Bandepur, Varanasi.

Chef Patron – Ganesh Godiyal (Founder of the college)

Patron- Mr. Dolatram Pokhriyal Manager Raath Mahavidyalaya Paithani

Dr. Jitendra Kumar Negi, Principal, Raath Mahavidyalaya Paithani

Organizing Secretary- Dr. Rajeev Dubey Assistant Professor

Department of History Raath Mahavidyalaya Paithani

On November 11,2019 a one day national seminar was organized on topic “ Bharatiy sanskriti mai Paryavaran Chetana”in Raath Mahavidyalaya Paithani Pauri Garhwal. It was organized by the research federation of india, Jawalpur MP and the Academic council of education for research and development Bandepur, Varanasi. The national seminar was jointly inaugurated by founder of the college Mr. Ganesh Godiyal and Director central University campus Pauri Prof. RS Negi.The Key note speaker of the first session of the seminar Dr Ravisharan Dixit eloquently explained the relationship between Indian culture and environment on the hand Dr.A.K singh called Indian culture and institution of nature conservation . in the second and last session Dr. Y S faraswan senior professor on HNB garhwal University was chief guest. Many scholars researchers and students from other colleges and universities participated in the seminar.

Schedule of the seminar

Inaugural session 10.00 am to 10.30

1. Sarswati Vandana - 05 minutes
2. Lighting the lamp - 05 minutes
3. Wel come song - 05 minutes

4. Guest of statement - 05 minutes
5. Guest of honour - 10 minutes

First Session
10:30 am to 1:00 am

Chairman

Prof. R S Negi Director HNB GU Campus Pauri

Keynote Speaker –

Prof. Santan singh Negi Head, Deptt. of History HNB GU Srinagar -30
Prof. Rajpal Singh Negi Deptt. of History HNB GU Srinagar -30
Prof. Ravi sharan Dixit Deptt. of History DAV PG College Dehradun -30
Dr. S S Bisht Deptt. of History Deptt. of History HNB GU Srinagar – 30

Presidential address

Prof. R S Negi Director HNB GU Campus Pauri

Lunch break

1.0 Pm to 2.00 pm

Second Session

--2.00Pm to 3:30pm

Chairman

Y S Farswan , Department of History, HNB GU Srinagar.

Keynote speaker –

Dr. Jaijit Barthwal Department of History, HNB GU Pauri Campus
Dr. Vimlesh Dimari, Deptt. of Mass Communication

Presidential address

By

Prof.Y S Farswan Department of History, HNB GU Srinagar .

Honor by m mentor
Address Founder Sir.
Address Principal

After the vote of thanks, the national anthem will be played, after which the program will conclude.

Photographs



Picture : 1 Scene of releasing the souvenir by the guests present on the stage. (11 November 2019 Inaugural Session)

Picture : 2 Welcome of the Founder by Dr. Rajeev Dubey, Convener of Seminar. (11 November 2019 Inaugural Session)

Picture : 3 *Participating teachers, researchers and students present in the seminar.
(11 November 2019)*

Picture : 4 *Addressing the seminar, Prof. Rajendra Singh Negi, Director, HNB
Central University Campus Pauri. (11 November 2019)*

Picture : 5 *College Manager Mr. Daulat Ram Pokhariyal addressing the seminar.
(11 November 2019)*

सलाहकार समिति

1. प्रो० आर०एस० नेगी, निदेशक, हे०न०ब०ग०वि०वि०, पीड़ी परिसर।
2. प्रो० सनत सिंह नेगी, (विभागाध्यक्ष) इतिहास विभाग, हे०न०ब०ग०वि०वि० श्रीनगर।
3. डॉ० राकेश सिंह, इतिहास विभाग, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक, छत्तीसगढ़।
4. डॉ० राजपाल सिंह नेगी, इतिहास विभाग, हे०न०ब०ग०वि०वि० श्रीनगर।
5. डॉ० राजेश कुमार उषान, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय पाबो।
6. डॉ० कैलाश चन्द्र दुदपुड़ी, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव।

प्रमुख वक्ता

1. प्रो० वाई०एस० फर्सवान, इतिहास विभाग, हे०न०ब०ग०वि०वि० श्रीनगर, उत्तराखण्ड। मो० : 9412995731
2. डॉ० एस०के० सिंह, डिपार्टमेंट ऑफ कार्मस, डॉ०ए०वी० (पी०जी०) कालेज, देहरादून। मो० : 8958249080
3. डॉ० रविशरण दिक्षित, इतिहास विभाग, डॉ०ए०वी०(पी०जी०) कालेज, देहरादून। मो० : 9837318301
4. डॉ० विमलेश डिमरी, जनसंचार विभाग, डॉ०ए०वी० (पी०जी०) कालेज, देहरादून। मो० : 8279631716

आयोजन समितियों

पंजीकरण समिति- डॉ० वीरेन्द्र चन्द, श्री मनोज कुमार सिंह, श्री उमेश चन्द्र बंसल, श्री प्रतीक वर्मा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति- डॉ० लक्ष्मी नीटियाल, श्री प्रदीप कुमार।

विशिष्ट अतिथि व्यवस्था समिति- डॉ० अखिलेश सिंह, डॉ० मंजीत भण्डारी, डॉ० रवि नीटियाल।

स्वागत समिति- डॉ० लक्ष्मी नीटियाल, डॉ० दुर्गाश नन्दिनी, श्री संदीप लिंगवाल।

संयोजक - श्री राजेश कुमार, श्रीमती बदना सिंह।

आयोजक मण्डल

समन्वयक - डॉ० जितेन्द्र कुमार नेगी
सहसमन्वयक - डॉ० प्रवेश मिश्रा
संगोष्ठी सचिव - डॉ० राजीव दुबे
संगोष्ठी सह सचिव - श्री राम सिंह नेगी
कोषाध्यक्ष - डॉ० विरेन्द्र चन्द
आयोजन सचिव - डॉ० देवकृष्ण थपलियाल
डॉ० शिवेन्द्र सिंह चन्देल
डॉ० श्याम मोहन सिंह

पंजीकरण प्रपत्र

नाम -
पदनाम -
विश्व विद्यालय/कालेज का नाम -
पता -
मोबाइल नं -
ईमेल -
डो०डो०नं० -
दिनांक -
धनराशि -
आवास व्यवस्था : हाँ/नहीं
शोधपत्र/संशोधन का शीर्षक -

हस्ताक्षर



एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

“भारतीय संस्कृति में पर्यावरणीय चेतना”

11 नवम्बर 2019, सोमवार

संगोष्ठी स्थल

राठ महाविद्यालय, पैठाणी



प्रायोजक :

रिसर्च फंडेशन ऑफ इण्डिया, जयलपुर, म० प्र० एवं एकेडमिक सोसाइटी ऑफ एजुकेशन फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट,

बन्नेपुर, वाराणसी

आयोजक :

इतिहास विभाग, राठ महाविद्यालय पैठाणी,
पीड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

मुख्य संरक्षक

श्री गणेश गोदियाल (संस्थापक राठ महाविद्यालय पैठाणी)

संरक्षक

संगोष्ठी संयोजक

संगोष्ठी के विषय में

विश्व की समस्त ज्ञात संस्कृतियों में प्राचीनतम संस्कृति के रूप में भारतीय सनातन संस्कृति ने पर्यावरण को अत्यन्त महत्वपूर्ण मानते हुये इसे ईश्वर का प्रतिरूप ही माना है। शाब्दिक यही कारण है कि इस संस्कृति ने सभी पर्यावरणीय पक्षों यथा भूमि, जल और वायु को ईश्वरीय छवि प्रदान किया है। भारतीय संस्कृति की सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि के रूप में वैदिक ग्रन्थों ने समस्त पर्यावरणीय पक्षों को ईश्वर मानते हुये इनके रक्षण का निर्देश दिया है।

भारतीय सांस्कृतिक परम्परा में मानव एवं प्रकृति के मध्य सुन्दर समन्वय सर्वत्र बिखरा पड़ा है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं को वृक्षों में अस्वल्प (पीपल) कहा है। पर्यावरण की दृष्टि से पीपल के महत्व को आज भी सर्व स्वीकार्यता प्राप्त है। हम यह भी देखते हैं कि भारतीय परम्परा में प्रचलित सभी 16 संस्कारों में पर्यावरण के विभिन्न घटकों को महत्व प्रदान किया जाता है। भारतीय सांस्कृतिक समृद्धि के सर्वश्रेष्ठ वाहक के रूप में गीतम बुद्ध का समस्त जीवन-जन्म, ज्ञान की प्राप्ति, प्रसार एवं और उनका निर्वाण भी प्रकृति को गोद में हुआ। इसी प्रकार के असंख्य ऐसे उदाहरण हैं जिन्हें भारतीय सांस्कृतिक परम्परा और पर्यावरण के मध्य अविच्छिन्न सम्बन्ध के रूप में निरूपित किया जा सकता है।

शीर्षक : “भारतीय संस्कृति में पर्यावरणीय चेतना”

उपशीर्षक :

1. भारतीय शिक्षा और पर्यावरण।
2. आधुनिक शिक्षा प्रणाली और पर्यावरण जागरूकता।
3. उत्तराखण्ड में परम्परागत जल संवर्धन प्रणाली और विकास।
4. हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण संश्लेषण।
5. प्राचीन भारतीय धर्म एवं पर्यावरण।
6. बौद्ध एवं जैन परम्परा में प्रकृति चित्रण।
7. समकालीन विश्व में पर्यावरणीय जागरूकता।
8. पर्यावरण के सन्दर्भ में विधिक चेतना।
9. आधुनिक पत्रकारिता एवं पर्यावरण।
10. आधुनिक भारतीय साहित्य में पर्यावरण।

राठ महा विद्यालय : एक संक्षिप्त परिचय

उत्तराखण्ड राज्य के पीड़ी गढ़वाल जनपद में विकासखण्ड वेलीसैण के पैठाणी कस्बे में जिला मुख्यालय पीड़ी से लगभग 50 (पचास) किलोमीटर पूर्व पश्चिमी नया नदी के तट पर स्थित राठ महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2003 में की गयी।

जनपद का यह भू-भाग विकास से कोसों दूर अशिक्षा और पिछड़ेपन से पीड़ित रहा है। आज्ञादी के बाद भी यह क्षेत्र शिक्षा के अभाव में अनेक तरह की विषमताओं से घिरा रहा। यद्यपि शुरूआती दौर में प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रारम्भिक प्रगति ने जल्द कुछ विसंगतियों को परास्त किया, परन्तु उच्च शिक्षा प्राप्त करना यहाँ के युवाओं का स्वप्न मात्र बना ही रहा। इस अभाव और चेदना को महसूस करते हुए इसी क्षेत्र के ग्राम बहेड़ी के युवा श्री गणेश गोदियाल जो सुदूर मुम्बई में एक स्थापित व्यवसायी के रूप में क्रियाशील थे, ने क्षेत्र के तमाम संप्रानजनों, जागरूक नागरिकों व जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क व सहयोग स्थापित कर ग्राम सभा पैठाणी के दानवीरों द्वारा दान की गई भूमि पर इस महाविद्यालय को आकार देना सुनिश्चित किया।

जुलाई 2003 में महज 30 छात्र-छात्राओं, प्राचार्य, सात प्राध्यापकों व 18 शिक्षणोत्तर कर्मियों के साथ यह “मिशन उच्च शिक्षा” प्रारम्भ हुआ, जो आगे चलकर नये कीर्तिमान गढ़ता चला गया।

26 मार्च 2015 को श्री गणेश गोदियाल (तत्कालीन विधानसभा सदस्य, उत्तराखण्ड) के निजी प्रयासों से इस महाविद्यालय को राज्य सरकार की अनुदानित श्रेणी में लाया गया है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में बी०ए०, बी०एड० एवं बी०पी०एड० पाठ्यक्रम संचालित हैं, जिसमें लगभग 750 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं।

पीड़ी गढ़वाल जनपद के कोटद्वार (गढ़वाल का प्रवेश द्वार) से लगभग 150 किलोमीटर दूर स्थित पैठाणी (वेलीसैण ब्लॉक) उत्तराखण्ड के मानचित्र में एक छोटे से गाँव के रूप में अंकित है। लेकिन यह एक छोटा सा गाँव राजनीतिक, धार्मिक एवं शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

उत्तराखण्ड में पर्यटन की दृष्टि से पैठाणी के महत्व को किसी भी अन्य स्थान से कमतर नहीं आंका नहीं जा सकता। पैठाणी एक पौराणिक गाँव है क्योंकि इसका उल्लेख स्कन्दपुराण के केदारखण्ड में दर्ज है और दर्ज है इससे जुड़े कई रोचक प्रसंग। केदारखण्ड के अनुसार राटकृत पर्वत पर भगवान शिव ने कठोर तप किया था इसी कारण यहाँ पर राट मंदिर स्थापित है।

केदारखण्ड में कहा गया है “ ऊँ चर्चते राट केशव... मिश्रात्र राठो इहागंधिनि ।” अर्थात् राट के क्षेत्र वैदिककालीन गाँव का नाम पैठाणी पड़ा। राट के अद्भुत मंदिर एवं राटकृत कारण यह पूरा क्षेत्र राठ क्षेत्र कहलाता है। मान्यताओं के अनुसार स्थित प्रसिद्ध मंदिर का निर्माण अठारवीं शताब्दी ईस्वी में जगन्नाथराय द्वारा करवाया गया। वर्तमान समय में इस मंदिर देख-भाल बड़ी केदार मंदिर समिति द्वारा की जाती है।

पंजीकरण शुल्क :-

प्राध्यापक :- ₹० 700/-

शोध छात्र :- ₹० 350/-

छात्र :- ₹० 100/-

आवश्यक विवरण :-

पंजीकरण शुल्क सेमिनार राठ महाविद्यालय पैठाणी के खला सं० 38867576634 IFSC-5BIN0007493 में हिमांशु डाफ्ट/NEFT में किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त सेमिनार स्थल पर भी शुल्क जमा किया जा सकता है। पंजीकरण हेतु सम्पर्क सूत्र-

01. डॉ० राजीव दुबे - 9675362906

02. डॉ० शिवेन्द्र सिंह - 8004043877

03. डॉ० वीरेन्द्र चन्द - 9557400895

समस्त संपादित प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे अपने शोध पत्र से सम्बन्धित सारांश (Abstract) 200-300 शब्दों में टिपे गये ई-मेल पर कृतिदेव-10 फाट एवं साइज 14 में प्रस्तुत करें।

समस्त प्रतिभागियों को सूचित किया जाता है कि वे सम्बन्धित विषय और उप विषय से सम्बन्धित पीरिडिक एवं प्रासंगिक शोधपत्र प्रकाशन हेतु प्रस्तुत कर सकते हैं।

वर्तमान शोधपत्रों का प्रकाशन ISBN युक्त शोध पत्रिका में प्रकाशित किया जायेगा।

ई-मेल :

One Day Nation Seminar
On
“Education Policy 2020: Dimensions and Implementation”
May 27, 2023

On Saturday, May 27 2023, a one-day national seminar was organized in college on topic “National Education policy 2020: dimensions and implementation”. The guests present were welcomed by principal Dr. Jitendra Kumar Negi. Organizing secretary Dr. Pravesh Kumar Mishra gave the comprehensive introduction was presented on “New National Education policy 2020”. Prof. Rama Maikhuri Dean Faculty of Education Garhwal University Srinagar Garhwal inaugurated the first lecture session. In its long speech highlights various aspects of the new education policy i.e 2020. The second session was read by prof. Anoop Dobariyal Dean – life Science. in his in the end, the principal proposed a vote of the thanks and thanked the present teachers, students, research scholars and speakers.

Schedule of the seminar -

Program Description

Opening session

Program	Time
Opening ceremony	by announcer from 10.30
Lighting the lamp	10.35-40 by chief Guest
Saraswati Vandana	10.40 – 10.45 by student teachers
Bouquet gift and badge decoration	10.55 – 11.00 by professor
Welcome song	B.Ed Female students
Welcome guest	by principal
Seminar and presentation of objective	11.05-11:15 organizing secretary
First Lecture	11:15-12:15 Prof. Rama Maikhuri (Dean Ann Head Faculty of Education HNB GU Srinagar Garhwal.)
Second Lecture	12:15-1:00 Prof. Deepak Pandey Asistantion Director Higher Education Uttarakhand

(1)



(2)



(3)



(4)



Picture -01 Chief guest at the seminar, Prof. Rama Maikhuri, Dean and Head of the Department, Faculty of Education, HNB Garhwal University Srinagar Garhwal, Principal of the college, Dr. Jitendra Kumar Negi presenting a memento. (Inaugural Session 27 May 2023)

Picture -02 Principal of the college, Dr. Jitendra Kumar Negi presenting a memento to Special guest Prof. Anoop Dobriyal, Dean, Student Welfare council HNB Garhwal University VGR campus, Pauri. (Second session, 27 May 2023)

Picture -03 Professors, researcher and students in the seminar hall.

Picture -04 Shri Umesh Chandra Bansal, Assistant Professor of the College presenting a memento to Dr. Shiv Kumar Bharadwaj Lecturer DIET Charigaon Pauri Garhwal.

... 10 'B' ... 14 ... 20 ... 25 ... 2000 ...

संगोष्ठी संयोजक - डॉ० बिनेन्द्र कुमार नेगी
संगोष्ठी सचिव - डॉ० प्रवेश कुमार मिश्र
सह सचिव - डॉ० गोपेश कुमार मिश्र
डॉ० अरविन्द कुमार
श्री राम सिंह
कोषाध्यक्ष - डॉ० अश्विनी सिंह

1. पंजीकारा समिति - डॉ० बीरेंद्र चन्द, डॉ० मनजीत सिंह भण्डारी
2. स्वागत समिति - डॉ० लक्ष्मी नैटवाल, डॉ० दुर्गा नन्दिनी
3. प्रकाशन समिति - डॉ० शिवेंद्र सिंह चन्देल, डॉ० राजीव दूबे
4. सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति - श्री प्रदीप कुमार, डॉ० एकेश कुमार
5. अनुशासन समिति - श्री उमेश चन्द भंगाल, श्री उद्धत सिंह
6. भोज समिति - डॉ० देव कुमार, श्रीमती बदन सिंह
7. विज्ञापन/अतिथि व्यवस्था - डॉ० मन्दीप सिंह, डॉ० रवि
8. बसपाव/भोजन व्यवस्था समिति - श्री राजकुमार पाल, श्री संदीप

डॉ० अरविन्द कुमार
डॉ० प्रदीप कुमार शर्मा, हिन्दी विभाग, सिक्किम केंद्रीय


4. डॉ० अशोक कुमार नेगी, पूर्व निदेशक, हेल्थ/आयुर्वेदिक चैट्री
 5. डॉ० एम.ए.ए. विभागाध्यक्ष, राजकीय विज्ञान विभाग
 6. डॉ० अजय दूबे, शिक्षा संकायाध्यक्ष, श्री बहादुर सिंह यूनिवर्सिटी
 7. डॉ० विशाल चौराहा, इतिहास विभाग, राजकीय चैट्री

नाम - _____
पदनाम - _____
विश्व विद्यालय/कालेज का नाम - _____
पता - _____
मोबाइल नं - _____
ईमेल - _____
डोड/टीएन/यू.पी.आई. नं - _____
दिनांक - _____
धनरशि - _____
आवास व्यवस्था : हाँ/नहीं
सोपचन/संगणक का सीरियल - _____

हस्ताक्षर

कृपया आवस्य व्यवस्था के लिये संगोष्ठी को तिथि से दो दिन पूर्व
 ...

राष्ट्रिय स्तरीय संगोष्ठी
27 मई, 2023 (शनिवार)
संगोष्ठी स्थल
राठ महाविद्यालय पैठाणी



प्रायोजक :
आयोजक :
मुख्य संरक्षक
श्री गणेश गोदियाल (संस्थापक राठ महाविद्यालय पैठाणी)
श्री दीनत राम पोखरियाल (प्रबंधक राठ महाविद्यालय पैठाणी)
डॉ० बिनेन्द्र कुमार नेगी (संचालक राठ महाविद्यालय पैठाणी)
डॉ० प्रवेश कुमार मिश्र (विभागाध्यक्ष) राजकीय विभाग

संगोष्ठी की विषय वस्तु

किसी भी राष्ट्र का विकास वहां प्रचलित शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है, जिसके माध्यम से हम समाज का नैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास करते हैं। भारतवर्ष कभी विश्वगुरू की संज्ञा से सुरोभित रहा, जिसके पीछे हमारी शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख योगदान रहा है। भारतवर्ष में तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय विद्यमान थे जो विश्व के अनेक देशों के विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने रहे हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था ने ऐसे सामाजिक, आर्थिक व्यवस्थाओं का संचालन किया जिससे प्रत्येक व्यक्ति के पास रोजगार उपलब्ध रहा। मुगल आक्रान्ताओं और ब्रिटिश शासकों ने हमारी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था पर प्रहार किया जिसके दुष्परिणाम से हम अद्यतन निकल नहीं सके हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् तात्कालिक सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप भारत सरकार द्वारा 1968, 1986 तथा 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों का निर्माण किया गया, जिसके माध्यम से शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने का प्रयास किया गया। नई शिक्षा नीति 2020, जो लगभग 34 वर्षों के अन्तराल के बाद भारत सरकार द्वारा लाई गयी जिसके अन्तर्गत आमूल चूल परिवर्तन किया गया है। इस सन्दर्भ में यह कहा जा सकता है कि सरकार की इस नीति को वास्तविक धरातल तक पहुंचाने तथा फलीभूत करने का सशक्त माध्यम अध्यापक वर्ग है। अध्यापक ही इस नीति की सफलता को तय करेगा। जितना बेहतर अध्यापक वर्ग नीति की मंशा को समझ पायेगा तदनु रूप ही नीति फलीभूत होगी। राठ महाविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के रूप में स्थापित है। इस संगोष्ठी के आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को जन-जन तक पहुंचाना तथा फलीभूत करना है।

राठ महाविद्यालय परियोजना

राठ महाविद्यालय परियोजना

7. नई शिक्षा नीति 2020 के सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव।
8. स्कूली शिक्षा में परिवर्तन एवं क्रियान्वयन।
9. उच्च शिक्षा में परिवर्तन एवं क्रियान्वयन।
10. प्राचीन शिक्षा पद्धति एवं उसकी प्रासंगिकता।
11. भारतीय भाषाओं का संवर्धन एवं संरक्षण।
12. कला और संस्कृति का संवर्धन एवं संरक्षण।

राठ महाविद्यालय - एक संक्षिप्त परिचय

उत्तराखण्ड राज्य के पौड़ी गढ़वाल जनपद में विकासखण्ड बैलौरीण के पैठाणी कस्बे में जिला मुख्यालय पौड़ी से लगभग 50 (पचास) किमी० पूर्व पश्चिमी नयार नदी के तट पर स्थित राठ महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2003 में की गयी। जनपद का यह धू-भाग विकास से कोसों दूर अशिक्षा और पिछड़ेपन से पीड़ित रहा है। आजादी के बाद भी यह क्षेत्र शिक्षा के अभाव में अनेक तरह की विषमताओं से घिरा रहा। यद्यपि आरम्भिक दौर में प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति ने जरूर कुछ विसंगतियों को समाप्त किया, परन्तु उच्च शिक्षा प्राप्त करना यहाँ के युवाओं का स्वप्न मात्र ही बना रहा। इस अभाव और वेदना को महसूस करते हुए इसी क्षेत्र के ग्राम बहेड़ी के युवा श्री गणेश गोदियाल जो सुदूर मुम्बई में एक स्थापित व्यवसायी के रूप में क्रियाशील थे, ने क्षेत्र के तमाम संप्रान्तजनों, जागरूक नागरिकों व जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क व सहयोग स्थापित कर ग्राम सभा पैठाणी के दानवीरों द्वारा दान की गई भूमि पर इस महाविद्यालय को आकार देना सुनिश्चित किया।

जुलाई 2003 में महज 30 छात्र-छात्राओं, प्राचार्य, सात प्राध्यापकों व 18 शिक्षणेत्तर कर्मियों के साथ यह "मिशन उच्च शिक्षा" प्रारम्भ हुआ, जो आगे चलकर नये कीर्तिमान गढ़ता चला गया।

26 मार्च 2015 को श्री गणेश गोदियाल (तत्कालीन विधानसभा सदस्य, उत्तराखण्ड) के निजी प्रयासों से इस महाविद्यालय को राज्य सरकार की अनुदानित श्रेणी में लाया गया है। वर्तमान समय में

उत्तराखण्ड के मानचित्र में एक छोटे से गाँव के रूप में अंकित है। लेकिन यह एक छोटा सा गाँव राजनीतिक, धार्मिक एवं शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

उत्तराखण्ड में पर्यटन की दृष्टि से पैठाणी के महत्व को किसी भी अन्य स्थान से कमतर नहीं आँका नहीं जा सकता। पैठाणी एक पौराणिक गाँव है क्योंकि इसका उल्लेख स्कन्दपुराण के केदारखण्ड में दर्ज है और दर्ज है इससे जुड़े कई रोचक प्रसंग। केदारखण्ड के अनुसार राष्ट्रकूट पर्वत पर भगवान शिव ने कठोर तप किया था। केदारखण्ड में कहा गया है "ऊँ भूर्भुव स्वः राटोनापुरोहव पैठीन सिग्रोत्र राटो इहागेच्छति।" अर्थात् राहू के गोत्र पैठौनली के कारण इस गाँव का नाम पैठाणी पड़ा। राहू के अद्भुत मंदिर एवं राष्ट्रकूट पर्वत के कारण यह पूरा क्षेत्र राठ क्षेत्र कहलाता है। मान्यताओं के अनुसार पैठाणी स्थित प्रसिद्ध मंदिर का निर्माण आठवीं शताब्दी ईस्वी में आदि शंकराचार्य द्वारा करवाया गया। वर्तमान समय में इस मंदिर की देख-भाल बट्टी केदार मंदिर समिति द्वारा की जाती है।

पंजीकरण - पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से लिंक पर जाकर तथा ऑफलाइन माध्यम से महाविद्यालय में उपस्थित होकर किया जा सकता है।

<https://forms.rje/r2LAe2TPv2T7aG5b>

प्राच्यकरण : ₹50 700/-

श्रीरक्षक छात्र : ₹50 350/-

छात्र : ₹50 150/-

पंजीकरण शुल्क हेतु आवश्यक विवरण-

खाते का नाम- सेमिनार राठ महाविद्यालय पैठाणी

खाता संख्या- 41846025983

IFSC Code - SBIN0007493

शाखा- एसबीआई0 पैठाणी, पौड़ी गढ़वाल।

इसके अतिरिक्त सेमिनार स्थल पर भी पंजीकरण शुल्क जमा किया जा सकता है।